SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

वेबीनार : वर्तमान परिपेक्ष्य में शिक्षण उपकरण

माधुरी गौतम, (Ph.D.), सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष,
पंडित किशोरी लाल शुक्ला उद्या. महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, पेन्ड्री, राजनांदगॉव, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Corresponding Author
माधुरी गौतम, (Ph.D.), सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष,
पंडित किशोरी लाल शुक्ला उद्या. महाविद्यालय एवं
अनुसंधान केंद्र, पेन्ड्री, राजनांदगॉव, छत्तीसगढ़, भारत

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 27/10/2020
Revised on : -----
Accepted on : 03/11/2020
Plagiarism : 0% on 27/10/2020

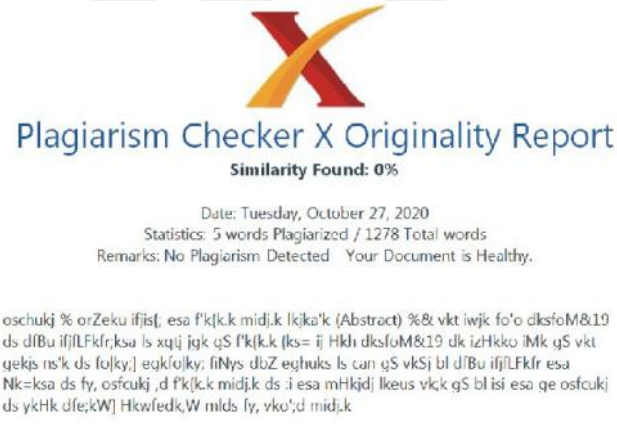
Plagiarism Checker X Originality Report
Similarity Found: 0%

Date: Tuesday, October 27, 2020
Statistics: 5 words Plagiarized / 1278 Total words
Remarks: No Plagiarism Detected Your Document is Healthy.

oschukj % orZeku ifjis[, esa f'k{k.k midj.k lk{ka'k (Abstract) %& vkt iwjk fo'o dksfoM&19 ds dfBu ifjfLFkfr;ksa ls xqtj jgk gS f'k{k.k (ks= ij Hkh dksfoM&19 dk izHkko iMk gS vkt qekjs ns'k ds fo{ky;] egkfo{ky; fiNys dbZ eghuks ls can gS vkSj bl dfBu ifjfLFkfr esa Nk=ksa ds fy, osfcukj ,d f'k{k.k midj.k ds :i esa mHkjdj lkeus vk;k gS bl isi esa ge osfcukj ds ykHk dfe;kW] Hkwfedk,W mlds fy, vko';d midj.k

शोध सार

आज पूरा विश्व कोविड–19 के कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा है। शिक्षण क्षेत्र पर भी कोविड–19 का प्रभाव पडा है। आज हमारे देश के विद्यालय, महाविद्यालय पिछले कई महीनो से बंद है और इस कठिन परिस्थिति में छात्रों के लिए वेबिनार एक शिक्षण उपकरण के रूप में उभरकर सामने आया है। इस पेपर में हम वेबिनार के लाभ, कमियाँ, भूमिकाएँ एवं उसके लिए आवश्यक उपकरण की चर्चा करेगे।

मुख्य शब्द

वेबीनार, कम्प्यूटर, स्काइप, इंटरनेट, ब्रॉडबैण्ड।

प्रस्तावना

किसी भी महाविद्यालय या विश्वविद्यालय की ऑनलाइन कक्षाओ में वेबीनार के माध्यम से छात्र भाग ले सकते है। वेबीनार शब्द 'वेब' और 'सेमीनार' शब्दो से मिलकर बना है। वेबीनार (वेब सेमीनार) ऑनलाइन शिक्षण सीखने हेतु प्रोद्योगिकी की प्रगति के साथ अधिक से अधिक ध्यान आर्कषित कर रहे है, क्योंकि वेबीनार उपकरण वास्तविक समय संचार की सुविधा प्रदान करते है और ऑनलाइन में सहभागिता को समृद्ध करते है । हमारे देश के शैक्षणिक क्षेत्र आजकल वेबीनारर्स पर ऑडियंस की लाइव प्रेजेटेशन और इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया के माध्यम से काफी उपयोगी और महत्वपूर्ण है।

परिभाषा

वेबीनार को एक प्रकार की कॉन्फ्रेमिंग के रूप में परिभाषित किया गया है, जो इटरनेट पर वेब आधारित संगोष्ठी पर आधारित हैं। वेबीनार आयोजित करने के लिए कुछ सर्वश्रेष्ठ सॉफ्वेयर है:

- गुगल + हैग आउट्स
- वेबीनार ऑन एयर

- स्काइप
- सिस्को वेबाएम्स
- गो टू वेबीनार
- एडोब कनेक्ट
- मेगा माटिंग
- रेडीटॉक
- एनी मींटिंग
- ऑनस्ट्रीम

वेबीनार की मदद से शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है, जो कि बिल्कुल भी गलत नही है। नई–नई चीजो को सिखने के लिए इंटरनेट, युवा और पुरानी पीढ़ी के लिए अब एक प्लेटफार्म बन गया है। इसने लोगों को एक मंच प्रदान किया है, जहाँ पर तेजी से संपर्क कर सकते है, और तुरंत ही कोई भी जानकारी प्राप्त कर सकते है, या फिर अपनी कोई भी जानकारी बढ़ा सकते है।

वेबीनार के फायदे

वेबीनार के कुछ महत्वपूर्ण फायदे निम्नलिखित है, जो छात्र एवं शिक्षक के लिए शिक्षण ग्रहण करने में सहायक है:

1. वेबीनार लचीलापन को बताती है

वेबीनार लोगो को अपने घर, किसी कैफे, लाइब्रेरी या जहाँ भी किसी व्यक्ति को सुविधा हो ऐसे किसी स्थान में कक्षा आयोजन करने की अनुमति देता है। आपको उस कक्षा को अटैड करने के लिए एक निश्चित समय सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। एक बार जब आप वेबीनार की तारीख समय और अन्य आवश्यक बिन्दुओ का विवरण साझा कर देते है, तो अधिक से अधिक संख्या में लोग उस वेबीनार मे शामिल हो सकते है।

2. मनपसंद पाठ्यक्रम को चुनना

वेबीनार विषयों और पाठ्यक्रमों के काफी विस्तृत क्षेत्र में से छात्रों को अपनी पसंद का विषय या कोर्स चुनने का अवसर प्रदान करता है। कई बार ऐसी परिस्थितियॉ होती है, जब कोई छात्र–छात्रायें अपनी पसंद का कोई पाठ्यक्रम नही चुन पाता है, क्योकि वह पाठ्यक्रम उसके घर के पास के किसी विश्वविद्यालय मे नही पढ़ाया जाता है, या व छात्र/छात्राये किसी नयी जगह में रहने के लिए तैयार नही होता है, बस उस स्थिति में वेबीनार का महत्व समझ में आता है।

3. वेबीनार पर पाठ्यक्रम किफायती है

महाविद्यालय या विश्वविद्यालय में नियमित कक्षाओं मे अध्ययन के लिए बहुत पैसा खर्च करने की आवश्यकता होती है, जबकि वेबीनार के माध्यम से कक्षाएँ लेने पर हॉस्टल खर्च, बुनियादी सुविधाओ पर खर्च और अन्य अनेक प्रकार के खर्चो को रोका जा सकता है। कोई भी छात्र/छात्रायें वेबीनार आयोजित करने वाले किसी महाविद्यालय या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए अध्ययन सामग्री को डाउनलोड भी कर सकता है। कुछ वेबीनार्स के लिए आपको पंजीकरण शुल्क का भूगतान करना पड़ सकता है, लेकिन यह नियमित महाविद्यालय में जितना खर्च होता है उनसे कम ही है। अधिकतर वेबीनार निःशुल्क होते है।

4. शिक्षक एवं छात्र/छात्राओं के बीच बातचीत

वेबीनार छात्र/छात्राओं और शिक्षक के बीच एक बेहतर पारस्परिक संबंध या बातचीत करने की सुविधा देते है जो सभी छात्र/छात्राओ को समान स्तर पर लाता है। यह उन छात्रों के दिमाग से संदेह दूर करने में मदद करता है, जो छात्र भरी कक्षा में अपना हाथ उठा कर सवाल पूछने सें घबराते है।

वेबिनार में कोई आप को जज करने वाला नही होता है, क्योकि सभी अलग स्थानों से केवल अपने कम्प्यूटर स्क्रीन के माध्यम से जुडे होते है। यहाँ पर छात्रों को बिना डरे अपने प्रश्न पूछने की सुविधा मिलती है। वह बोल कर या लिख कर अपना प्रश्न पूछ सकते है।

5. सत्र रिकॉडिंग संभव है

कुछ वेबिनार होस्ट या ऑर्गेनाइजर्स अपने सभी उपस्थित सदस्यों को सत्र की रिकॉडिंग भी उपलब्ध करवाते है, ताकि सदस्य बाद में अपनी सुविधा के अनुसार इस रिकॉडिंग से लाभ उठा सके। यदि आप किन्ही कारणवश, कोई सत्र में सम्मिलित नही हो पाते तो आप होस्ट से उस सत्र की रिकॉडिंग प्राप्त कर सकते है।

वेबिनार के लिए आवश्यकता

वेबिनार का आयोजन करने के लिए निम्नलिखित तत्वों का होना आवश्यक है:

1. जन

सूत्रधार (दो सूत्रधार वेबिनार के लिए और 30 प्रतिभागी), प्रस्तुतकर्ता या 10 से 15 प्रतिभागी।

2. तकनीक

वेबिनार मंच (जैसेः स्काईप व्यापार के लिए, एडोब कनेक्ट, गो टू मीटिंग) ब्रॉडबेन्ड इंटरनेट कनेक्शन, कम्प्यूटर और हेण्डसेट (या माइक्रोफेन) सभी के लिए तथा सुचना प्रोद्योगिकी का इस कार्यक्रम के द्वारा समर्थन।

3. समय

दो सप्ताह का अग्रिम नोटिस (सामग्री और कार्यक्रम की सफलता की तैयारी के लिए) 60–90 मिनट का समय (वेबिनार के दौरान)।

भूमिका

एक वेबिनार मे भूमिका (Roles in a Webinars) एक वेबिनार के आयोजन में निम्न लोगो की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है – जैसे होस्ट (मेजबान), को–होस्ट (सह मेजबान), पैनेलिस्ट एवं सहभागी। वेबिनार में आपकी जो भी भूमिका है, वह होस्ट द्वारा डिजाइन की जाती है।

1. मेजबान

वेबिनार का होस्ट वह उपयोग कर्ता है, जिसे वेबिनार पेनेलिस्ट और उपस्थित लोगो के प्रबंधन की पूर्ण अनुमति रहती है। एक वेबिनार का केवल एक होस्ट हो सकता है। होस्ट किसी भी वेबिनार को शुरू कर सकता है, पेनेलिस्ट को म्युट कर सकता है, पेनेलिस्ट विडियों को रोक सकता है और वेबिनार में उपिस्थित लोगो को हटा भी सकता है ।

2. सह मेजबान

को–होस्ट को वेबिनार के प्रशासनिक पक्ष को नियंत्रित करने की अनुमति प्रदान रहती है, जैसे की रिकार्डिगं शुरू करना है या रोकना आदि।

3. पेनेलिस्ट

एक वेबिनार में पेनेलिस्ट पूर्ण प्रतिभागी है ये विडियों, स्क्रीन शेयर, एनोटेट आदि देख सकते है, और भेज सकते हैं। आपको वेबिनार होस्ट द्वारा पेनेलिस्ट की अनुमति दी जानी चाहिए। होस्ट पेनेलिस्ट के कई सुविधाओं को रोक सकता है, जिसमें विडियों प्रारंभ करना, अपनी स्क्रीन साझा करना और रिकॉडिंग शामिल है।

4. सहभागी

सहभागी केवल एप कार्यक्रमों को देख सकते है जिसे होस्ट ने चयन किया है। सहभागी, होस्ट एवं पेनेलिस्ट के माध्यम से बातचीत कर सकते है, प्रश्न पूछ सकते है, और चैट कर सकते है।

वेबिनार की कमियां

छात्रो एवं शिक्षको के परिपेक्ष्य मे वेबिनार शिक्षण की कुछ कमियां है जिनका निदान संभव है, परंतु ये कारण वेबिनार के सफल संचालन मे बाधक है:

- इंटरनेट की धीमी गति।
- इंटरनेट कनेक्शन की समस्या।
- न्युनतम लोगो की सहभागिता।
- सहभागियो द्वारा वेबिनार कार्यक्रम मे रूचि न दिखाना आदि।

निष्कर्ष

आज इस विषम परिस्थिति मे वेबिनार शिक्षा ग्रहण करने के लिये एक उपकरण के समान कार्य करती है, जो हमे, शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीको का इस्तेमाल करने में मदद प्रदान करती है। आपके पास एक कम्प्युटर और एक इंटरनेट कनेक्शन होना चाहिए फिर पुरी दुनिया का ज्ञान आपकी झोली मे समाहित हो सकता है। वेबिनार द्वारा हम अपने पाठ्यक्रम विषय से सम्बन्धित चीजो का अध्ययन कर सकते है, अपने समस्या का समाधान कर सकते है और अपने विषय से सम्बन्धित नवीनतम जानकारी प्राप्त कर सकते है। इसके बहुत सारे फायदे है परंतु, सुदुर क्षेत्रों मे इंटरनेट कनेक्शन की समस्या के कारण गाँव के छात्र इसका लाभ उठाने में असफल रहते हैं।

संदर्भ सूची

1. बर्टेलिन, डेनियल. (2011), *वेबिनार हाउ टू: द एड रोल्स यू निट टू फिल टू मेक यूअर वचुअल इवेन्ट ए सक्सेस*।
2. वॉग, शिंग. केवू एवं हु यीन. हु. (2008), *युज ऑफ दा वेबिनार टूल्म टू सपोर्ट ट्रेनिंग, जर्नल्स् ऑफ इंटरेक्टिव ऑनलाईन लरनिंग* वाल्यूम सात, नं 3।

****